**भारत सरकार**

**पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 3543**

**03.04.2017 को उत्तर के लिए**

**अत्यधिक प्रदूषित शहर**

**3543. श्री हुसैन दलवर्इ:**

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वायु प्रदूषण के संदर्भ में देश के अत्‍यधिक प्रदूषित शहरों के नाम क्या हैं;

(ख) क्या सरकार ने देश के विभिन्न भागों में वायु प्रदूषण के कारण हुर्इ असामयिक मृत्यु के मामलों की संख्या निर्धारित करने हेतु कोर्इ अध्ययन किया है;

(ग) यदि हां, तो ऐसे अध्ययन का वर्ष-वार एवं राज्य-वार ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या देश के प्रदूषित शहरों में पी एम 2.5 की सघनता के कारण वायु प्रदूषण में वृद्धि हुर्इ है; और

(ङ) यदि हां, तो पिछले कुछ वर्षों में हुर्इ ऐसी वृद्धि का प्रदूषित शहर-वार ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं?

**उत्‍तर**

**पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार)**

**(श्री अनिल माधव दवे)**

(क) शहरों को भिन्‍न-भिन्‍न परिणामों सहित विभिन्‍न मानदंड प्रदूषकों के आधार पर रैंक प्रदान किया जा सकता है। वर्ष 2016 के लिए वायु गुणवत्‍ता सूचकांक (एक्‍यूआई) दिल्‍ली, फरीदाबाद, वाराणसी, लखनऊ, जयपुर, कानपूर, पटना, आगरा, गुड़गांव और मुजफ्फरपुर में अपेक्षाकृत खराब वायु गुणवत्‍ता दर्शाता है।

(ख) और (ग) सरकार ने मानव स्‍वास्‍थ्‍य के भिन्‍न-भिन्‍न पहलुओं पर वायु प्रदूषण के प्रभाव के संबंध में विभिन्‍न अध्‍ययन किये हैं किंतु वायु प्रदूषण और समय-पूर्व होने वाली मृत्‍यु के बीच प्रत्‍यक्ष सह-संबंध स्‍थापित करना कठिन है, क्‍योंकि यह विभिन्‍न अन्‍य घटकों जैसे भोजन की आदतें, व्‍यवसाय, समाजार्थिक स्थिति, चिकित्‍सा इतिहास, प्रतिरोधक क्षमता, आनुवांशिक आदि द्वारा प्रभावित होता है।

(घ) और (ड.) केन्‍द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा 56 शहरों के लिए pm2.5 के संदर्भ में मानीटर किए गए आंकड़ो से किसी तीव्र वृद्धि का पता नहीं चलता है।

\*\*\*\*